বাংলা বিরচন পকেট বুক

মো: আদল খান

**বাগধারা**

|  |  |
| --- | --- |
| অকাল কুষ্মাণ্ড: | অপদার্থ, অকেজো |
| অকাল কুসুম: | অসম্বভ, জিনিস |
| অকাল বোধন: | অসময়ে আবির্ভাব |
| অগত্যা মধুসূদন: | অনন্যোপায় হয়ে |
| অগস্ত্য যাত্রা: | চিরদিনের জন্য প্রস্থান/মৃত্যু |
| অষ্টরম্ভা: | কাঁচকলা, ফাঁকি, কিছুই না। |
| অষ্টমঙ্গলা: | আনন্দের রেশ থাকাবস্থা |
| অষ্ট কপাল: | হতভাগ্য |
| অজগর বৃত্তি: | আলসেমি |
| অজ পাঁড়াগা: | একেবারে গ্রাম |
| অবরে সবরে: | কালে-ভদ্রে, সময়ে অসময়ে |
| অমৃত অরুচি: | দামি জিনিসে বিতৃষ্ণা |
| অন্তর টিপুনি: | গোপন ইশারা / গোপন ব্যাথা |
| অকাট মূর্খ: | নিরেট |
| অঘাচণ্ডী: | নির্বোধ, নিরেট বোকা |
| অঞ্চল প্রভাব: | স্ত্রীর প্রভাব |
| অক্ষর পরিচয়: | সামান্য বিদ্যা |
| অপগোণ্ড | অকর্মণ্য, অপ্রাপ্ত বয়স্ক |
| অন্নজল ওঠা: | আয়ু বা সময় শেষ হওয়া |
| অমাবস্যার চাঁদ: | দুর্লভ বস্তু |
| অনুরেঅধে ঢেঁকি গেলা: | অনুরোধে অনিচ্ছা সত্বেও কিছু করা |
| অক্ষয় ভাণ্ডার: | অফুরন্ত |
| অক্ষরে অক্ষরে: | সম্পূর্নভাবে |
| অক্ষয় বট: | প্রাচীন ব্যক্তি |
| অস্থির পঞ্চক: | কিংকর্তব্যবিমূঢ় |
| অগ্নিশর্মা: | নিরতিশয় ক্রুদ্ধ |
| অগ্নিপরীক্ষা: | কঠিন পরীক্ষা |
| অলক্ষ্মীর দশা: | দারিদ্র |
| অশ্বমেধ যজ্ঞ: | বিপুল আয়োজন |
| অকড়িয়া: | ধনহীন |
| অর্ধচন্দ্র : | গলা ধাক্কা |
| অরণ্যে রোদন: | বৃথা অনুনয় বা নিষ্ফল আবেদন |
| অক্কা পাওয়া: | মারা যাওয়া |
| অহি-নকুল সম্পর্ক: | ভীষণ শত্রুতা |
| অসূর্যস্পশ্যা: | গৃহে অন্তরীণ |
| অকটি বিকট: | ছটফটানি |
| অঙ্কুশ তড়না: | অন্তর্গত আঘাত |
| অঙ্গ জল হওয়া: | শীতল |
| অন্ধের হাতি দেখা: | কোন বিষয় সম্পর্কে ধারণ না নিয়ে কাজ করা |
| অন্ধের যষ্টি: | একমাত্র অবলম্বন |
| অষ্টবজ্র সম্মিলন: | প্রতিভাবান ব্যক্তিদেরেএকত্র সম্মেলন |
| অগাধ জলের মাছ: | অত্যন্ত কৌশলী |
| অকূল পাথার: | ভীষণ বিপদ |
| অন্ধিসন্ধি: | ফাঁকফোকর |
| অনধিকার চর্চা: | অনুচিত বিষয়ে হস্তক্ষেপ করা |
| অদৃষ্টের পরিহাস: | ভাগ্যের/বিধির বিড়ম্বনা |
| আকাশ ধরা: | বৃষ্টি বন্ধ হওয়া |
| আকাশ কুসুম: | অসম্ভব জিনিস/ কাল্পনিক জিনিস |
| আকাশ ভেঙ্গে পড়া: | বড় বিপদ |
| আকাশে তোলা: | অতিরিক্ত প্রশংসা করা |
| আকাশের চাঁদ: | দুর্লব বস্তু |
| আকাশ থেকে পড়া: | অপ্রত্যাশিত |
| আঙ্কেল গুড়ুম: | হতবুদ্ধি, স্তম্ভিত |
| অগড়-বগড়: | অর্থহীন বা আবোলতাবোল কথা / পাগরের প্রলাপ |
| আঙ্কেল সোলামি: | নির্বুদ্ধিতার দণ্ড |
| আক্ঙেল দাঁত ওঠা: | পাকা বুদ্ধি |
| আক্কেলমস্ত/মন্দ: | বিবেচনা করে এমন |
| আটকপালে: | হতভাগ্য |
| আট প্রহর: | সারা দিনরাত |
| আঁটকুড়ে: | নিঃ সন্তান |
| আদায় কাঁচকলায়: | শত্রু ভাবাপন্ন / তিক্ত সম্পর্ক |
| আদা জল খেয়ে লাগা: | প্রাণপণ চেষ্টা করা |
| আদার বেপারী: | সাধারণ লোক |
| আদিখ্যেতা: | ন্যাকামি |
| আপ্ত শ্রুতি: | কিংবদন্তি |
| আপ্ত-গরজি: | স্বার্থপর |
| আগুনে ঘি ঢাকা: | রাগ বাড়ানো |
| আঁজল পাঁজল করা: | গা ঝাড়া দেওয়া/ঝাঁকুনি দেওয়া |
| আউলিয়া চাঁদ: | যে অল্পেই আকুল হয় |
| আমতা আমতা করা: | ইতস্তত করা |
| আষাঢ়ে গল্প: | আজগুবি গল্প |
| আষাঢ়ান্ত বেলা: | দীর্ঘস্থায়ী সময়। |
| আলালেল ঘরের ‍দুলাল: | অতি আদুরে নষ্ট ছেলে |
| আঠারো মাসে বছর: | দীর্ঘসূত্রিতা / কুঁড়ে স্বভাব |
| আঠার পর্ব মাহভারত: | দীর্ঘ কাহিনী |
| আজব খানা: | জাদুঘর |
| আধা খেঁচড়া: | বিশৃঙ্খলা |
| আদমের কাল: | সুপ্রাচীন কাল |
| আপন কোলো ঝোল টান: | স্বার্থ |
| আলেয়ার আলো: | দুর্লভ বস্তু |
| আদাড়ের হাঁড়ি: | সামান্য লোক/ অনাদৃত ব্যক্তি |
| আমড়াগাছি করা: | তোষামোদ করা |
| আস্তাঁ কুড়ের পাতা: | নীচ ব্যক্তি |
| আটাশে ছেলে: | দুর্বল ছেলে |
| আঙ্গুল ফুলে কলাগা: | হটাৎ ধনী হওয়া |
| আড়ি পাতা: | লুকিয়ে লুকিয়ে শোনা |
| আগাপাছতলা: | আগাগোড়া |
| আথিবিথি: | তাড়াতাড়ি |
| আরশিতে পড়শি দেখা: | নিজের মতন করে অন্যকে দেখা |
| আহ্লাদে আটখানা: | খুব খুশি |
| আয়াস ঘর: | বিশ্রাম ঘর |
| আচাভুয়ার বোম্বাচাক: | অসম্ভব ব্যাপার |
| আঁকুপাঁকু করা: | ছটফটানি |
| আঁতে ঘা লাগা: | মনে ব্যথা দেয়া |
| আনাড়ি: | অপটু |
| আসরে নামা: | আবির্ভূত হওয়া |
| আখাম্বা: | বেখাপ্পা |
| আতাস্তরে পড়া: | বিপদে পড়া |
| আরেয়ার পেছনে ছোটা: | অসম্ভবের পেছনে ছোটা |
| আড়ং ঘাট: | খেয়াঘাট |
| আয়োসুয়ো: | সধবা স্ত্রী লোকের দল |
| আঁচল ধরে বেড়ানো: | ব্যক্তিত্বহীন |
| আতারি কাতারি: | ছটফটে ভাব |
| আমগন্ধি: | কাঁচাগন্ধ যুক্ত |
| আড়াই অক্ষরে: | অল্প কথায় |
| আঁটুনি কষুনি সার: | কেবল আড়ম্বর মাত্র |
| আস্ত কেউটে: | অত্যন্ত বিপজ্জনক লোক |
| আঁধার ঘরের মানিক: | প্রিয় বস্তু |

**বাগধারা**